“गायत्री परिवार के लोग पुस्तकें ही क्यों बांटते हैं..??”
****

उपरोक्त प्रश्न अधिकतर लोगों के मन में कौंधता रहता है, उन्हें समझ में नही आता कि इसका क्या कारण है, कुछ लोग तो यहां तक कहते हैं कि आप पुस्तकों की जगह पीड़ित लोगों की सेवा क्यों नही करते? किसी को खाना खिलाने, अस्पताल में सेवा करने से अधिक अच्छी ईश्वर सेवा और कुछ हो ही नही सकती आदि आदि बातें वे हम गुरुसेवकों से करते हैं।

उनके कुछ उत्तर यहां रख रहे हैं कृपया ध्यान से पढ़ें
****

1. पं. श्रीराम शर्मा जी का उद्देश्य विश्व के सभी धर्मों के लोगों तक *"वैज्ञानिक आध्यात्मवाद"* को पहुंचाकर, इसके द्वारा *मनुष्य में देवत्व का उदय और धरा पर स्वर्ग का अवतरण* है। और इसे समझाने के लिए ऋषियों ने किसी तपोबलयुक्त व्यक्तित्व के द्वारा इस काम को करना चाहा और उसके लिए परम् पूज्य गुरुदेव का चुनाव उन्होंने किया।

जिस तपस्या को गुरुदेव ने 26 वर्ष तक किया उस तपस्या को रामायण काल में भरत ने लगभग 14 वर्ष तक किया था। अब इतनी कष्टभरी और कठोर तप साधना के फलस्वरूप जो साहित्य निर्माण हुआ, उस साहित्य को हम जैसे चिंतन,चरित्र और व्यवहार से शून्य व्यक्ति भला किसी और को कैसे समझा सकते हैं इसलिए परम् पूज्य गुरुदेव ने कहा

*" बेटे, मेरा साहित्य ही मेरा शरीर है अस्तित्व है। अपने सदगुरु से मुझे जो ज्ञान मिला है उससे मैं भविष्य में आने वाली तबाही को स्पष्ट देख रहा हूँ। यह तबाही मानसिक विकृति के रूप में होगी और इसे ठीक करना है तो उसके लिए मेरे शक्तिशाली विचारों की जरूरत पड़ेगी।

जितनी मौतें भूख से तड़पकर होंगी उससे कहीं अधिक और भयंकर मौतें विचारों की विकृति तथा दिमाग खराब होने की वजह से होंगीं, ऐसे में दवाइयां और अच्छा खाना देने से बिमारी ठीक नही होगी बल्कि उस बिमारी को मेरा लिखा हुआ साहित्य ठीक करेगा। क्योंकि बिमारी 90% मानसिक रहेगी।

लेकिन बेटे आपको यह सब अभी नही समझ में आएगा। मैं दुनिया के हर व्यक्ति तक नही पहुंच सकता हूँ क्योंकि मैं लँगड़ा हूँ। तुम मुझे (अर्थात मेरे साहित्य को) अपने कंधे पर बिठा लो और हर धर्म के हर सम्प्रदाय के व्यक्ति तक मुझे पहुंचा दो। इस अमृत की हर व्यक्ति को आवश्यकता होगी।"*

इसलिए हर गुरुभाई और बहिन जी लोग सत्साहित्य को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। आप यदि परमपूज्य गुरुदेव की कोई किताब एक बार पढ़ लेंगें और यदि आप पढ़ने के शौकीन हैं या आप अपनी ज्ञान पिपासु हैं तो आप निश्चित ही यह कहेंगे कि इतना अच्छा साहित्य आपको पहिले क्यों नहीं मिला ? और जब कोई व्यक्ति कोई अच्छी चीज चख लेता है या खा लेता है जो उसने कभी भी चखी न हो तो वह व्यक्ति उसका स्वाद सभी को बताना चाहता है और खिलाना चाहता है ।

यही कारण है कि हम लोग पुस्तकों के रूप में अपने परम् पूज्य गुरुदेव को आपसे मिलवाते हैं।

*नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कीजिए और अपनी मनपसंद बुक्स पढ़िए और पढ़ाइये।
****

नितान्त व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, वैश्विक व समष्टिगत समस्याओं का एकमुश्त समाधान इन पुस्तकों में आपको मिलेगा। क्योंकि इन पुस्तकों के रचयिता हैं- युगदृष्टा, युगस्रष्टा, युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ परमपूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी।

आचार्य जी ने चारों वेदों, 18 पुराणों, षड् दर्शन, 20 स्मृतियों, 108 उपनिषदों का भाष्य किया है। अपनी प्रखर लेखनी से युगानुकूल 19 वाँ पुराण #प्रज्ञापुराण की रचना की जो 4 खण्डों में प्रकाशित है। साथ ही #प्रज्ञोपनिषद् तथा #गायत्री_महाविज्ञान की रचना की।
*3,000 से अधिक पुस्तकें लिखी है l *"अकेले दुनिया में इतनी जीवनोपयोगी पुस्तकें अभी तक किसी ने न लिखी हैं।

आशा है आप इनका स्वाध्याय करेंगे और दूसरों को भी अध्ययन के लिए प्रेरित करेंगे। जिस भी साहित्य को पढ़ना चाहते हैं उस पर क्लिक करें Through Google Drive PDF खुल जाएगी।

1. ART OF LIVING
https://drive.google.com/folderview?id=1FT3RIjqeEmdcSWjsQrWxi9a1iCyeU5op

2. BIOGRAPHY
https://drive.google.com/folderview?id=12tfW617BVVpDtwi5wUCJZO10bNsfPfSv

3. CHILD
https://drive.google.com/folderview?id=10slohpGLZ28T5ZsvDp_cgG80qt76KzXh

4. CULTURE

https://drive.google.com/folderview?id=1R6Myl3D-c5bjWnH6NQAxw5Ud0nnSX6Q2

5. ECONOMY

https://drive.google.com/folderview?id=1TAogVRVe-_kBV-WfJZrbSKjhOVJ1dui_

6. EDUCATION

https://drive.google.com/folderview?id=1dnOC83J3cAQsKr6X5jQ8m3liIzqp--Yo

7. ENVIRONMENT

https://drive.google.com/folderview?id=1VEorgXMLfIYbavbDYo_2FX9fNbNtIjaL

8. ETHICS

https://drive.google.com/folderview?id=1-DS3ECZQIw-sYPPbjqrj4w3Krjk-tUzk

9. FAITH

https://drive.google.com/folderview?id=1WpZ0P8YMCiD_URvZhb3wazX1SOBxgQuF

10. FAMILY MANAGEMENT

https://drive.google.com/folderview?id19TTMbbJR4jq1YzK96j7IEnnEpucRUEr2

11. FRIENDSHIP

https://drive.google.com/folderview?id=1jLEfcPhglk8ZgyKZg2J-Y28mHrwt4LmX

12. GAYTRI

https://drive.google.com/folderview?id=1jt_X-PC5mqeK-AwbJd5JVh2fk5Fl6Wjk

13. GOD

https://drive.google.com/folderview?id=1MHyhfLrQdT95cP4CZI03CRdN1oBflZxP

14. HEALTH

https://drive.google.com/folderview?id=1Eb_CujkAXQKr8mhwBo9qU_4qiKEge2zx

15. HUMANITY

https://drive.google.com/folderview?id=1KayrEredG8xY_58tOX4NtTwwzLz9LLXH

16. LOVE

https://drive.google.com/folderview?id=1KzOoaBG-iEBh7TDqHImUaz9l_hzWWCBV

17. MARRIAGE

https://drive.google.com/folderview?id=1tgGq2fs4WNqQoFtde38Ew3ZeZGmpQPfq

18. MEDITATION

https://drive.google.com/folderview?id=19SdA7xDGJzxF9NF7nNLg5v4SjM8zb0Sj

19. MUSLIM

https://drive.google.com/folderview?id=15km7eZT00gwUNEmu-tRZO4nQCTEdAIdN

20. MYSTERY

https://drive.google.com/folderview?id=1rHm3ycIvfN5v87Xd6KrN8bRaSLpN8hPf

21. NATIONALITY

https://drive.google.com/folderview?id=1Ih3ya3eqoEcR_DiR2mHy_ORwSvcHH_0z

22. ORTHODOX

https://drive.google.com/folderview?id=1w8R1liacy437tkquAMpTRIrqCXGPBvG1

23. PERSONALITY

https://drive.google.com/folderview?id=1w8R1liacy437tkquAMpTRIrqCXGPBvG1

24. PHILOSOPHY

https://drive.google.com/folderview?id=1BJP-xI0HmaxIUucKkv3-fgU78GxHSGmQ

25. PLANNING

https://drive.google.com/folderview?id=1o66taUVU5Yp4sSmo3gFhXH3caEMRxPGD

26. POLITICS

https://drive.google.com/folderview?id=1u3qurstorJjNmQmioOiZ9eoFP7E8TO5I

27. RELIGION

https://drive.google.com/folderview?id=1XeF3ch-eW1FYI9d-GZRk3pD-dZDdApcG

28. SANITATION

https://drive.google.com/folderview?id=1Se0ySffBIkliOGf2D-d0pJ6mOVppxNgi

29. SCIENCE

https://drive.google.com/folderview?id=14OHlMjo-8DZ-OkqeqWWxGDwF7-CjCrM7

30. SECURITY

https://drive.google.com/folderview?id=1eRPVN6QHBUVoexxPuv_1v5EoCmjJg0K-

31. SELF STUDY

https://drive.google.com/folderview?id=142fDzjdYL7UiqjW-bCOiQgO-7NEj0Qg7

32. SENIOR CITIZENS

https://drive.google.com/folderview?id=1yBw75TKm-cqQ5UED1o9-CqKNE9n4dfSd

33. SOCIETY

https://drive.google.com/folderview?id=1D_FzFXEr3Vdy4ql46j5rsGNxaNCXOY-0

34.SOUL

https://drive.google.com/folderview?id=1ILHbqcywTCcs6a0QbPypXvAlU6dWmdil

35. SPIRITUALITY

https://drive.google.com/folderview?id=1vAr-JyG_r-PQAZ9_gPJuimmiacOI8Fjr

36. WILDLIFE

https://drive.google.com/folderview?id=1FQvhkLEfubsEynBlecWBZmbQUNlaKpmQ

37. WOMAN

https://drive.google.com/folderview?id=1lCf92MkQ9xWtHgRwP3xXfQSnDCIzpjy1

38. WORSHIP

https://drive.google.com/folderview?id=1XbV0ElkumrJ5f44ZvJgcretzRgAkqCNz

39. YAGYA

https://drive.google.com/folderview?id=1Or7avrt5HwK8wN9pwjd-6RZWUl-jfxyp

40. YOGA

https://drive.google.com/folderview?id=1sF_JgX2ZH3F3MCiMuWIuOpDJGKwsAFkZ

41. YOUTH

https://drive.google.com/folderview?id=17Jy8YpK9dgHBiYqLnBvNycwZZTm2Usop

42. MISCELLANEOUS

https://drive.google.com/folderview?id=1gbwJxUFJVhpgoVMfmYD53VkqdG928Dob

OTHER BOOK

https://drive.google.com/folderview?id=1g1IZvQf7QlJ91OsBJBN2trw1SVTO2pSa

ALL BOOKS

https://drive.google.com/folderview?id=1KIvN_EvdeGxyp9XW7tYeuwGPX9QISVVL

#WeAreGayatriPariwar
#अखिल_विश्व_गायत्री_परिवार
#allworldgayatripariwar